647510 **BRS5HinE016D** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2023 (NEW COURSE)
E-16 Hindi(Elective-16)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न. १ 'नहुष' खंडकाव्य के आधार पर नायक नहुष के चरित्र की विशेताएँ और दुर्लभताओं की- चर्चा करे । (१४)

अथवा

प्रश्न. १ "नहुष" काव्य की- कथावस्तु सविस्तार लिखिए ।

प्रश्न. २ गुरु बृहस्पति का चरित्र-चित्रण अपने शब्दो में लिखिए । (१४)

अथवा

प्रश्न. २ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी के जीवन और कृतित्व की चर्चा करें ।

प्रश्न. ३ "नहुष" खंडकाव्य की नायिका शची का चरित्र चित्रण कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न. ३ नहुष काव्य में व्यक्त उदेश्यों की चर्चा करें ।

प्रश्न. ४ नहुष काव्य में नृत्यांगना-उर्वशी का चरित्र-चित्रण करें । (१४)

अथवा

प्रश्न. ४ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'नहुष' काव्य की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न. ५ निम्नांकित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की चर्चा करें । (१४)

१) ऊँचे रहे स्वर्ग, नीचे भूमि को क्या होटा है?
मस्तक से हृदय कभी क्या कुछ छोटा है ?
व्योम रचा जिसने, उसी ने वसुधा रची,
किस कृति हेतू नहीं, उसकी कला बची ?

२) कर्म करे लोग, इतना ही नहीँ इष्ट है,
शिष्ट है वही जो कर्म-कौशल-विशिष्ट हैं।
होगा वह क्या बडा जो विघ्नों से नहीं लडा ?
यों तो सुखी शांत वही, जो जड हुआ पडा ।

३) विस्मय है किंतु यहाँ भूला रहा कैसा मैं ?
इन्द्राणी उसी की इन्द्र है जो, आज जैसे मैं
इन्द्राणी रहेगी वही, इन्द्र जो हो सो सही,
होगी हाँ कुमारी फिर, चिर युवती वहीं ।

४) मानता हुँ और सब, हार नहीं मानता,
अपनी अगवि नहीं आज भी मैं जानता
आज मेरा भूक्तोजनित हो गया है स्वर्ग भी,
लेके दिखा दूँगा कल मैं ही अपवर्ग भी ।

****